चेहरे और चलन से बाप को प्रत्क्षय करो !!!
एक मत एक धर्म एक राज्य को स्थापित करो!!!
उमंग उल्लास से सर्विस को आगे बढाओ!!!
हर आत्मा को अज्ञानता से जागृत करो!!!
आया है विदेशी बाप विदेशी बच्चो से सम्मुख मिलने !!!
हर्षित हो सर्व प्राप्तियों से झोली भरने !!!
तुम हो श्रृंगार उनके दिल के!!!
अपना भी श्रृंगार करो सर्व गुणों से!!!
स्वदेश कर रहा इंतज़ार तुम्हारा !!!
करो अभ्य्यास अशरीरीपन का!!!
पुरानी दुनिया पुरानी देह से ममत्व मिटाओ!!!
अविनाशी खुशी अतीइंद्रिय सुख को पाओ!!!
जो पाना था वो अब पा लिया!!!
ऐसे खुशी के गीत अब गाओ!!!
अमरनाथ बाप आया अमर बनाने!!!
अकाले मृत्यु से तुम्हें छुड़ाने!!!
अंतिम घड़ी है हो जाओ अब रेडी!!!
माया से मिल जायेगी छुट्टी!!!
वो तो है भीगी बिल्ली उससे!!!
मत घबराओ फ्री हो स्वर्ग को जाओ!!!
क्यों क्या का प्रश्न मत उठाओ!!!
नथिंग न्यू कु पार्ट को स्मृति में लाओ!!!